>

Title: Need to impart compulsory military training to every citizen of the country in view of the recent terrorist attack in Mumbai.

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर) : महोदय, जैसा सदन और देश को विदित है कि 26 नवंबर की रात को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई पर आतंकवादियों ने खुलेआम सड़कों पर और छत्रपति शिवाजी टर्मिनल पर अंधाधुंध गोलियां चलाकर सैकड़ों लोगों को मार गिराया, वहीं ताज एवं ओबराय होटल और नरीमन हाउस पर कब्जा करके अनेक देशी और विदेशी लोगों को बंधक बनाया और मार गिराया। इस आतंकवादी कार्यवाही को तकरीबन 70 घंटे तक देश के लोगों ने टेलीविजन पर देखा। भारत सरकार को इन आतंकवादियों को मार गिराने के लिए और बंधकों को छुड़ाने के लिए एनएसजी कमांडोज और नेवी के कमांडोज तक की सहायता लेनी पड़ी।

महोदय, देश में यह स्थिति पहली बार नहीं आयी, बल्कि इससे पहले भी कई बार ऐसे आतंकवादी हमले होते रहे हैं। हजारों लोगों ने पिछले कई वर्षों में अपनी जानें आतंकवादी हमलों में गंवाई हैं। आज जब साढ़े चार वर्षों के बाद यूपीए सरकार ने माना है कि इस देश को आतंकवाद के खिलाफ कठोर कानून की जरूरत है, लेकिन मेरा मानना है कि केवल कठोर कानून से ही गुजारा नहीं होने वाला है। मेरा सुझाव होगा कि कठोर कानून बनाने के साथ-साथ आज देश में 18 से 25 वर्ष के जो हमारे युवा नागरिक हैं, उनको मिलिट्री की ट्रेनिंग देनी चाहिए और कंप्लसरी एवं वालेंट्री तौर उनको एक वर्ष के लिए देश को अपनी सेवा देनी चाहिए। अगर हमारे देश के युवा नौजवानों को इस तरह की ट्रेनिंग दी जाएगी, तो एनएसजी कमांडोज और एसपीजी कमांडोज के आने से पहले ही हमारे देश के नागरिक इस लायक होंगे कि ऐसी स्थिति को संभाल सकें, ताकि देश का कम से कम नुकसान हो। [p63]

इसका एक सीधा उदाहरण हमारे सामने कौन्सटेबल तुकाराम का है, जिसने अपनी साहसिकता दिखाते हुए आतंकवादी को पकड़ा। आज हमारे सामने एकमात्र सबूत पाकिस्तानी आतंकवादी कसब का है। मैं आपके माध्यम से मांग करना चाहूंगा कि कठोर कानून बनाने के साथ-साथ हर प्रदेश में स्थानीय पुलिस बलों से कम से सम दो सौ कमांडोज़ तैयार किए जाएं ताकि यदि किसी भी प्रदेश में कभी ऐसा संकट आए तो वे उसे संभालने लायक रहें। साथ ही, हर वह नागरिक जो 18 से 25 वर्ष की आयु का है, उसे मिलिट्री ट्रेनिंग दी जाए और वह कम से कम एक वर्ष के लिए अनिवार्य या ऐच्छिक तौर पर देश को अपनी सेवा दे ताकि आने वाले वर्षों में भारत ऐसी संकट की स्थिति से बच सके और हम आतंकवाद पर नकेल कस सकें।

MR. CHAIRMAN : You have made your point.